

भागलपुर में विक्रमशिला के समानांतर पुल के लिए दिल्ली और पटना के इंजीनियर कर चुके हैं स्थल निरीक्षण

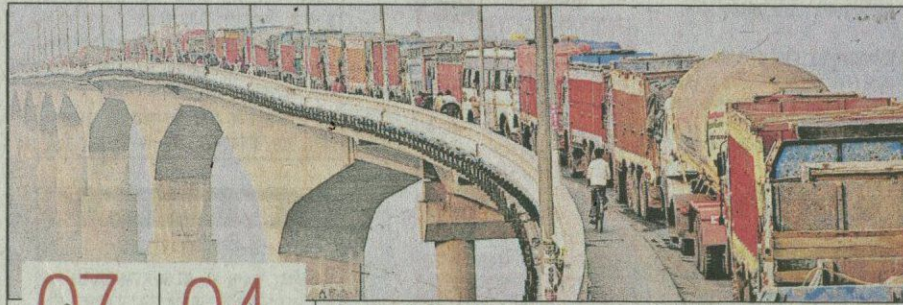
विक्रमशिला सेतु से 3 किमी दूर नया पुल

बदलाव

भागलपुर | कार्यालय संवाददाता

विक्रमशिला के समानांतर तैयार होने वाले पुल की जगह बदल सकती है। नये एलाइनमेंट के तहत पुल का निर्माण कार्य ग्रीन क्षेत्र (आबादी से दूर) से कराने पर बात हुई है। बुधवार को मंत्रालय से आयी टीम ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए विक्रमशिला से दूर नये पुल के निर्माण की बात कही। इस पर एनएच के कार्यपालक अभियंता राजकुमार ने टीम को खनकित्ता का क्षेत्र दिखाया। जहां आसानी से नये पुल का निर्माण कराया जा सकता है।

पुल निर्माण निगम के द्वारा बनायी गयी डीपीआर के मुताबिक महिला आईटीआई के पास से पुल के निर्माण के लिए जगह देखी गयी थी। मगर बढ़ रही



07

दिनों में पटना में अधिकारियों की आयोजित होगी बैठक

04

लेन का पहुंच पथ भी बनाया जाएगा नए पुल के लिए

भागलपुर के विक्रमशिला सेतु पर प्रायः रहता है जाम का यह नजारा। • फाइल फोटो

गाड़ियों के दबाव को कम करने के लिए बढ़ाई गई दूरी

टीम के सदस्यों ने कहा कि विक्रमशिला से सटे चार लेन का समानांतर पुल बनने से इस इलाके की परेशानी और भी बढ़ जायेगी। क्योंकि गाड़ियों का दबाव जीरोमाइल पर ही आखिरकार रहेगा। इसलिए नये पुल के निर्माण का काम थोड़ी दूरी पर होनी चाहिए। अगले सप्ताह पटना में होने वाली बैठक में नयी जगह पर बात बनेगी।

आबादी को देखते हुए मंत्रालय से आयी टीम ने इससे आगे खनकित्ता का भी बुधवार को निरीक्षण किया। टीम में

दिल्ली और पटना के इंजीनियर शामिल थे। संभावना है कि नये पुल का निर्माण वर्तमान विक्रमशिला पुल से करीब तीन

किमी की दूरी पर हो सकता है। डीपीआर में 120 मीटर मोटा के पाये के निर्माण की भी बात की गयी है। विशेषज्ञों की माने

पुल के साथ फोरलेन का संपर्क पथ भी बनेगा

कार्यपालक अभियंता राजकुमार ने बताया कि यह संभावना खोजी जा रही है। पुल के निर्माण के साथ-साथ फोर लेन का पहुंच पथ भी बनाया जायेगा। ऐसे में वर्तमान पुल के साथ अगर नये पुल का निर्माण होता है तो फिर परेशानी और बढ़ेगी। वहीं ग्रीन क्षेत्र होने की वजह से अधिग्रहण की परेशानी भी नहीं होगी। खनकित्ता में समानांतर पुल बनने से शहर में ट्रैफिक दबाव कम होगा। इसके पहुंच पथ को बायपास से जोड़ा जायेगा। सबौर की तरफ शहर का विस्तार होगा। झारखंड की ओर से आने वाले वाहन सीधे समानांतर पुल होकर नवगछिया निकल जायेंगे।

तो अगर ऐसा हुआ तो फिर नये सिरे से डीपीआर और एलाइनमेंट पर काम किया जायेगा।